दैनिक भास्कर
बुरहानपुर 16-07-2024

नेपानगर ▸ शाहपुर

पर्यावरण • नेहरू स्टेडियम ग्राउंड पर आदिवासी समाजजन को किया संबोधित, बोले- हमें जंगल बचाना है, हर घर में पेड़ लगाना है

पट्टे की बात पर बोले राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग अध्यक्ष- सरकार को जो देना था वह दे चुके

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त अंतरसिंह आर्य सोमवार दोपहर नेपानगर आए। यहां रेस्ट हाउस में उनसे जंगल बचाओ समिति के सदस्यों ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। वन क्षेत्र में हो रही कटाई, अवैध अतिक्रमण रोकने की मांग की। कई अपात्रों ने वनाधिकार पट्टे के आवेदन दे रखे हैं। इस पर आयोग अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य ने कहा- सरकार ने जो देना था वह दे चुके। जंगल को बचाना मेरा ही काम नहीं है, यह सब जनता का काम है। मैं अतिक्रमण के पक्ष में नहीं हूं। हमारे प्रधानमंत्री ने कहा है कि हर व्यक्ति को मां के नाम एक पेड़ का प्लांटेशन करना है। जो लोग यहां आए हैं, हमने उनसे कहा है कि हमें जंगल बचाना है। पर्यावरण बचाना है। यह हमारा मुख्य लक्ष्य है।

आयोग अध्यक्ष यहां आदिवासी समाजजन से खुली चर्चा करने आए थे। नेहरू स्टेडियम पर समारोह आयोजित हुआ, जिसमें काफी संख्या में जिलेभर से आदिवासी समाजजन पहुंचे। जंगल बचाओ समिति की ओर से सैकड़ों की संख्या में पहुंचे करीब 25 गांवों के ग्रामीणों ने उन्हें ज्ञापन सौंपा। मांग की गई कि क्षेत्र से अतिक्रमणकारियों को खदेड़ा जाए। हम प्रशासन की कार्रवाई का समर्थन करते हैं। ज्ञापन में कहा गया कि बाहरी जिले से आए अतिक्रमणकारियों द्वारा यहां अपने आधार कार्ड अपडेट कराए जाते हैं। मूल निवासी बताकर वनाधिकार पट्टे के लिए आवेदन करते हैं। दावा फार्म भरने के बाद वनों में कटाई करते हैं। अभी शांति बनी हुई। हम चाहते हैं, जो पात्र नहीं हैं उन्हें बाहर करें। हम प्रशासन की कार्रवाई का समर्थन करते हैं। इसी के जवाब में आयोग अध्यक्ष ने कहा कि मैं अतिक्रमण के पक्ष में नहीं हूं। इस दौरान नेपानगर, नावरा, डाभियाखेड़ा, सीवल सहित क्षेत्र और जिले के कई गांवों से आदिवासी समाजजन पहुंचे।

जंगल बचाओ समिति ने आयोग अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा गया।

जंगल बचाओ समिति ने कहा, नवाड़ी पटेल स्वयंभू नेता बने

ग्राम घाघरला, सीवल, चांदनी, सिंधखेड़ा, डाभियाखेड़ा, नावरा, नेपानगर स्थानों से आए वन बचाओ समिति सदस्यों ने अनुसूचित जनजाति आयोग अध्यक्ष को सौंपे ज्ञापन में कहा- क्षेत्र के 25 गांवों के ग्रामीण मांग करते हैं कि क्षेत्र को अतिक्रमणकारियों से पूरी तरह मुक्त कराएं। बुरहानपुर वन मंडल का कुल क्षेत्र 1.90 लाख हेक्टेयर है जिसमें से 2010 की कार्य योजना के अनुसार करीब 50 हजार हेक्टेयर से अधिक में अतिक्रमण है। वनाधिकार अधिनियम 2005-06 के तहत करीब 16 हजार वनाधिकार पत्रों का वितरण किया जा चुका है, लेकिन वनाधिकार की आड़ में कुछ नवाड़ी पटेल स्वयंभू नेता बाहरी जिले से अतिक्रमणकारियों को बुलाकर जंगल कटवाते हैं। लकड़ी की तस्करी करते हैं। इसके बदले में मोटी रकम वसूलते हैं। वनाधिकार पत्र प्राप्त करने की आड़ में अपने दावा फार्म जमा कर देते हैं। जिन अतिक्रमणकारियों ने बाहरी जिलों में आधार बना रखे थे वह यहां आकर इसी जिले में अपडेट करवाकर यहां का मूल निवासी होने का अधिकार दशति हैं। इसके बाद वनों की कटाई करते हैं। अगर प्रशासन कार्रवाई करता है तो कहते हैं अत्याचार हो रहा है। सीवल में 5 साल में हजारों हेक्टेयर जंगल काटा गया। लकड़ी को जलाया गया। बाकड़ी वन चौकी में 17 बंदूकें लूट ली गई थी। सीवल में हथियार लेकर प्रदर्शन किया गया था। अतिक्रमणकारियों थाने से आरोपियों को छुड़ाया गया था। पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला किया गया था। जयस ने भी सौंपा ज्ञापन जयस संगठन की ओर से आयोग अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा गया। जयस ब्लाक अध्यक्ष जगदीश कनासे ने कहा- जिले से आदिवासियों को दूसरे राज्यों में काम कराने के लिए ले जाया जाता है जहां उनका शोषण होता है। इस मामले में आयोग संज्ञान ले। वहीं सागफाटा-मांडवा 10 किमी रोड निर्माण कराए जाने की भी मांग रखी गई।

पेपर कटिंग पर करता है आयोग कार्रवाई

नेहरू स्टेडियम ग्राउंड पर आयोजित समारोह में अंतरसिंह आर्य का बड़ी फूलमाला से स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा- आदिवासी के साथ कोई घटना होने पर आयोग तुरंत संज्ञान लेता है। अगर पेपर में भी खबर आती है तो नोटिस जारी कर देते हैं। उन्होंने आदिवासी समाजजन से कहा-एक-एक पौधा अपने आंगन में लगाएं। जो जंगल कट गया है उसे बचाने का संकल्प लें, ताकि जब वह बड़े हो तो आनंदित वातावरण बने। खंडवा, खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर में जो समस्या हो तो दिल्ली आएं। हम अधिकार दिलाने का काम करेंगे। अपने बच्चों को पढ़ाओ, लिखाओ। देशभर में पेड़ लगाने का अभियान चल रहा है उसमें सहभागी बनें।